http://www.rtuonline.com

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र (निबन्ध एवं नाटक)

Time allowed : Three hours **Maximum Marks : 100**

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसग व्याख्या कीजिये:

(क) ''भक्ति आन्दोलन अखिल भारतीय सांस्कृतिक आन्दोलन था। इस आन्दोलन की श्रेष्ठ देन थे, तुलसीदास। उन्होंने निर्गुण, पंथियों और सगुण मतावलम्बियों को एक किया, उन्होंने वैष्णवों और शाक्तों को मिलाया, उन्होंने भक्ति के आधार पर जनसाधारण के लिए धर्म को सरल और सुलभ बनाकर पुरोहितों के धार्मिक एकाधिकार की जड़ें हिला दी। तुलसीदास मानवीय करूणा के अन्यतम कवि हैं। उनके राम दीनबन्धु हैं। सबसे गीध सुसेवकनि, सुगति कीन्ह रघुनाथ।' निषाद समाज का परित्यक्त अन्त्यज,राम के लिए ' राम के लिए

http://www.rtuonline.com

ma9300930012@gmail.com

Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

PTO

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

मस्तसम भ्राता' है। वनवासी कोल–किरात राम के दर्शन से प्रसन्न होते हैं। 'आमीर जबन किरात खस स्वपचादि' सभी राम के स्मरण से मोक्ष लाभ करते हैं।"

अथवा

"भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनन्त काल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्ध के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्त्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जाग्रत होंगे उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़े पृथिवी में जितनी गहरी होंगी उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा। इसलिए पृथिवी के भौतिक स्वरूप की आद्योपान्त जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है।"

(ख) "तक्षशिला से चालीस मील दूर विद्रोही वीरभद्र की खोज में वह हूणों के दल के निकट जा पहुँचे। वहाँ उन्हें ज्ञात हुआ कि वीरभद्र हूणों से मिल गया है। उसके बीस सैनिक आगे हूणों में फंसे हुए थे। वे तक्षशिला लौट सकते थे और अपने प्राण बचा सकते थे। परन्तु एक सच्चे सेनापति की भाँति उन्होंने अपने सैनिकों के लिए अपने प्राण संकट में डाल दिये और मुझे तक्षशिला और पाटलिपुत्र की चेतावनी देने के लिए भेजा।"

अथवा

"लेकिन मैं समझता हूँ कि वे सब मर गए–एक गाँधी को छोड़कर, और जो मर गया, वह समाप्त हो गया। बड़ा वह जो वसूल कर सके–रुपया, पैसा, दीन, ईमान, सब कुछ आपसे छीन सके–और जो मर गया वह कुछ वसूल नहीं कर सकता। आज उसकी कोई हस्ती नहीं, तो उसका नाम ही क्यों? और इसी से जनाब मैं कह सकता हूँ कि आप गलती करते हैं। शैली, नेपोलियन, लेनिन, गाँधी ये सब नाम हैं–नाम। इन सबों से बड़ा–कहीं बड़ा मैं हूँ, अभी आप लोगों पर साबित हो जाएगा।"

(ग) "संप–सभा जीने का अर्थ समझाती है। यही न। अत्याचार और अन्याय के विरूद्ध है।... क्या हम लोग अन्याय और अत्याचार के पक्षधर हैं?....क्या हुकूमत अन्याय और अत्याचार पर आधारित है।.... आखिर, श्रीमान्, दौलतसिंह, आपके इन प्रश्नों पर प्रश्न करने का उद्देश्य क्या है? यही न कि हम गोविन्द स्वामी के जीवन मूल्यों को मानते हैं। आपकी दृष्टि में गोविन्द स्वामी राजद्रोही हैं और हम उनके साथी हैं।.... आप चाहते हैं कि राजमाता हमें दरबार में ही बन्दी बनवाकर काल कोठरी में डलवा दें ताकि आप लोग फिरंगियों के हाथ डूंगरपुर राज्य की बिकवा सकें, उसकी आजादी का अपहरण करवा दें और देखते–देखते सब कुछ काल कवलित हो जाए.....।"

अथवा

"मैंने धवल–ध्वज चुना था और उसे शान्ति का दूत समझकर सबके हाथ में दिया था, पर कुछ लोगों ने जिन्हें शान्ति नापसंद है, मानव के विकास से जिन्हें परहेज और प्यार की अपेक्षा जिन्हें नफरत से प्यार है, धवल–ध्वज को रक्त–ध्वज में बदलकर यह बतला दिया कि समय हिंसा चाहता है। यह बात एकदम जुदा है कि आज का समय क्या चाहता है... हिंसा या अहिंसा।"

2. पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी के अनुसार हिन्दी के कवियों का क्या कर्त्तव्य है। उनमें

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

कौन–कौन से गुण अपेक्षित हैं? स्पष्ट कीजिये।

अथवा

'आचार्य शुक्ल के निबन्धों में बुद्धि और भाव, हृदय और तर्क शक्ति का अद्भुत सामंजस्य देखने को मिलता है।" इस कथन की समीक्षा निबन्ध के आधार पर कीजिये।

3. "नया–पुराना एकांकी में एकांकीकार श्री उपेन्द्रनाथ 'अश्क' ने वर्तमान समाज में व्याप्त अर्थप्रियता, स्वार्थ लोलुपता एवं अविश्वास की भावना का बड़ा ही सजीव रूप अंकित किया है।" इस कथन की समीक्षा कीजिये।

अथवा

'बीमार का इलाज' एकांकी के नामकरण के औचित्य को सिद्ध कर इसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिये।

4. "गोविन्द गिरी का चरित्र गाँधीजी के अहिंसात्मक चरित्र से समानता रखता है।" इस बन्धन के आलोक में गोविन्द गिरी की अन्य चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

अथवा

"रक्त ध्वज' नाटक एक सर्वथा अभिनेय नाटक है।" इस कथन को ध्यान में रखते हुए 'रक्त ध्वज' की साहित्यिक और शास्त्रीय समीक्षा कीजिये।

5. (क) हिन्दी निबन्ध के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिये।

अथवा

हिन्दी रंगमंच की परम्परा का संक्षेप में विवेचन कीजिये।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिये:

(i) संकलन त्रय

(ii) हिन्दी एकांकी साहित्य का उद्भव और विकास

(iii) गीति नाट्य

(iv) हिन्दी नाटक के विकास में मोहन राकेश का योगदान

(v) निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(vi) डॉ. रामविलास शर्मा की गद्य शैली

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com